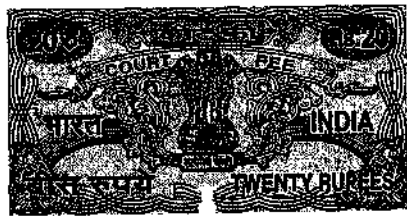


श्री गणेशाय नमः



68

आमाल भ मा. राजल १०३५ मजुमदार व वलियत

प्र.सं. - रेस्टोरेशन - ११/१०/१६ - डिंडोरी

कृपया रिटिड क्लेअर करवावे

गुलाब सिंह रेस्टो - १०६८ - II-१६

दि. ५-५-१६ को

बनाम  
समृद्धा सिंह

कलकत्ता कोर्ट  
प्राथमिक चरण में

रेस्टोरेशन आवेदन पत्र द्वारा ३५-३ के अन्तर्गत प्रस्तुत  
श्रीमानजी

उपरोक्त उक्त लिंग - १/५/१०/१६ को निवृत्त  
था इस पेशी की जानकारी मुझे वी३८ गले १५ न  
गही की जल्द ही श्रीमानजी के आयालय में  
डिंडोरी - २-५-२०१६ को उपस्थित था परन्तु  
को डिंडोरी से अवलियत अर्क में कागी विलम्ब  
हो गया २-५-१६ को परन्तु शारीरिक पीठार्य  
पक्षि या पित भी उलन ५-३० वर्ग व्यापार में  
आपत मुझे बलाप की पेशी है में पेशी दूठा  
गही मिलान कर आज ५/५/१६ से क्विंट उल्टी वी३८  
रेजिस्ट्री लेखन पर अतः कुशादि उक्त आशुपेशी  
में सादि हो गया

श्रीमान  
कृपया रिटिड करवावे  
५/५/१६

अतः मा. आयालय से किन्ना उद्योग है।  
आवेदन समथ सीमा प्रस्तुत होने से, मैं स्वयं उपर व्यापार  
में या को ध्यान में रखकर उक्त रेस्टो उक्त मुल स्थू-  
१३८१/१/२०१५ डिंडोरी गुलाब सिंह/समृद्धा सिंह उक्त उक्त स्थिति  
कारने की कृपा करें।

दिनांक - ५/५/२०१५

आवेदक/अभिभाषक  
कृपया रिटिड

दिनांक 9068 11/16

S.5-16

प्रस्तुतकार  
 कावेडक डायमिन्ड कुंवर सिंह  
 कुशावाह की प्रोड्यूसरेशन पी-यु-ए  
 वागा/वेस्टिंग का कारण समाधान  
 काठ होने से वेस्टिंग कावेडक सीकर  
 किया गया है प्रकृता इसी कारण  
 समावे किया गया है प्रकृता-ले

AP  
 5/5/16

1/16

कोई वेस्टिंग